अण्डमान निकोबार
द्वीप समाचार
संख्या 147 श्री विजय पुरम, गुरूवार, 04 जून 2026 web: dt.andamann

के लिए पात्र हैं। पत्र पुरस्कार के लिए विचारार्थ स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

इनपुट डीलरों एवं हितधारकों की परामर्श बैठक आयोजित

श्री विजय पुरम, 3 जून

राष्ट्रव्यापी पहल ''खेत बचाओ अभियान'' के अंतर्गत, आईसीएआर–केंद्रीय द्वीप कृषि अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर–सीआईएआरआई), श्री विजय पुरम द्वारा 3 जून, 2026 को उर्वरकों के संतुलित उपयोग के संबंध में इनपुट डीलरों एवं हितधारकों के लिए एक परामर्श बैठक आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में इनपुट डीलर, वैज्ञानिक तथा कृषि विभाग, सीआईपीएमसी एवं कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) के अधिकारी एकत्रित हुए और अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में सतत कृषि पद्धतियों तथा मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन पर चर्चा की।

अपने स्वागत भाषण में, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. वाई. रामकृष्ण ने द्वीपों में संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन तथा सतत कृषि पद्धतियों को आगे बढ़ाने के लिए हितधारकों के बीच प्रभावी सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला।

डॉ. देबब्रत बसंतिया, कृषि निदेशक, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन ने ''खेत बचाओ अभियान'' के उद्देश्यों

शेष पृष्ठ 4 पर

इनपुट डीलरों एवं हितधारकों की परामर्श

पृष्ठ 1 का शेष

पर प्रकाश डालते हुए मृदा स्वास्थ्य बनाए रखने तथा दीर्घकालिक कृषि स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए उर्वरकों के संतुलित उपयोग के महत्व पर बल दिया।

वैज्ञानिकों ने उपस्थित जनसमूह को अवगत कराया कि आईसीएआर–सीआईएआरआई ने गुणवत्तायुक्त सब्जी किस्में विकसित की हैं, जिनमें बैंगन–1 और बैंगन–2 शामिल हैं, जो मुरझान रोग प्रतिरोधी, अधिक उत्पादन देने वाली तथा द्वीपीय पारिस्थितिकी तंत्र के लिए उपयुक्त हैं। मृदा उर्वरता में सुधार तथा मृदा में नाइट्रोजन स्तर को बढ़ाने के लिए दलहन आधारित फसल चक्र के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। संस्थान के पास द्वीपीय परिस्थितियों के लिए उपयुक्त गुणवत्तायुक्त धान प्रजनक बीज तथा बायो–कंसोर्टिया स्ट्रेन भी उपलब्ध हैं, जिनका संवर्धन कर कृषि विभाग के माध्यम से किसानों में वितरण किया जा सकता है।

अपने समापन संबोधन में, डॉ. जय सुंदर, निदेशक, आईसीएआर–सीआईएआरआई ने कृषि विभाग से प्राकृतिक खेती के अंतर्गत आने वाले कुल क्षेत्र का स्पष्ट सीमांकन एवं दस्तावेजीकरण करने तथा किसानों के लिए बाजार अवसरों को बढ़ाने हेतु प्रमाणन प्रक्रिया प्रारंभ करने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि एफपीओ (कृषक उत्पादक संगठन) स्थानीय स्तर पर गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन कर अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की बीज आवश्यकताओं की पूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार परामर्श बैठक का समापन सभी हितधारकों द्वारा 'खेत बचाओ अभियान'' के अंतर्गत अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में सतत कृषि, मृदा स्वास्थ्य पुनर्स्थापन तथा जलवायु–अनुकूल कृषि प्रणालियों को बढ़ावा देने के लिए मिलकर कार्य करने की दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ हुआ।